# Daily Current Affairs

Date : 05 September, 2025

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

## अनुक्रमणिका


| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|---|---|
| 1. | नेशनल MSMEs कॉन्क्लेव 2025 : उदयपुर |
| 2. | राजस्थान में भूजल की स्थिति |
| 3. | विश्व का पहला पॉलिमर माइट्रल वॉल्व ट्रांसप्लांट |
| 4. | कारखाना (राजस्थान संशोधन) विधेयक, 2025 |
| 5. | राज्य स्तरीय समन्वय समिति : जनगणना, 2027 |
| 6. | चर्चा में रहा : जमवारामगढ अभयारण्य |
| 7. | आचार्य जवाहरलाल महाराज |
| 8. | 16वीं एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप, 2025 में राजस्थान का प्रदर्शन |
| 9. | 8वीं हीरोज ताइक्वांडो चैम्पियनशिप, 2025 : योगेश कुमार साहू |
| 10. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स<br>1. 'रीडिंग रेमेडिएशन' अभियान<br>2. माचिया किला, जोधपुर<br>3. 77वां राज्य स्तरीय सूर्यमंडल फुटबॉल कप – 2025<br>4. लघु उद्योग भारती एवं राजस्थान यूनिवर्सिटी के मध्य समझौता<br>5. राजस्थान में कवच 4.0 |
| 11. | जर्मनी: चर्चा में रहा देश |
| 12. | "इन्ट्रोडक्शन टू 2डी मैटेरियल्स" पर चौथा संस्करण |
| 13. | उन्नत डोपिंग रोधी परीक्षण |
| 14. | नीति आयोग की रिपोर्ट: दलहनों का विकास |
| 15. | राष्ट्रीय शिक्षक दिवस, 2025 |





UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान परिदृश्य

## नेशनल MSMEs कॉन्क्लेव 2025 : उदयपुर

### चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs) मंत्रालय और फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (FORTI) द्वारा 29 व 30 अगस्त, 2025 को उदयपुर के होटल भैरव गढ़ पैलेस में 'नेशनल MSMEs कॉन्क्लेव, 2025' (वेंडर मीट) का आयोजन किया गया।

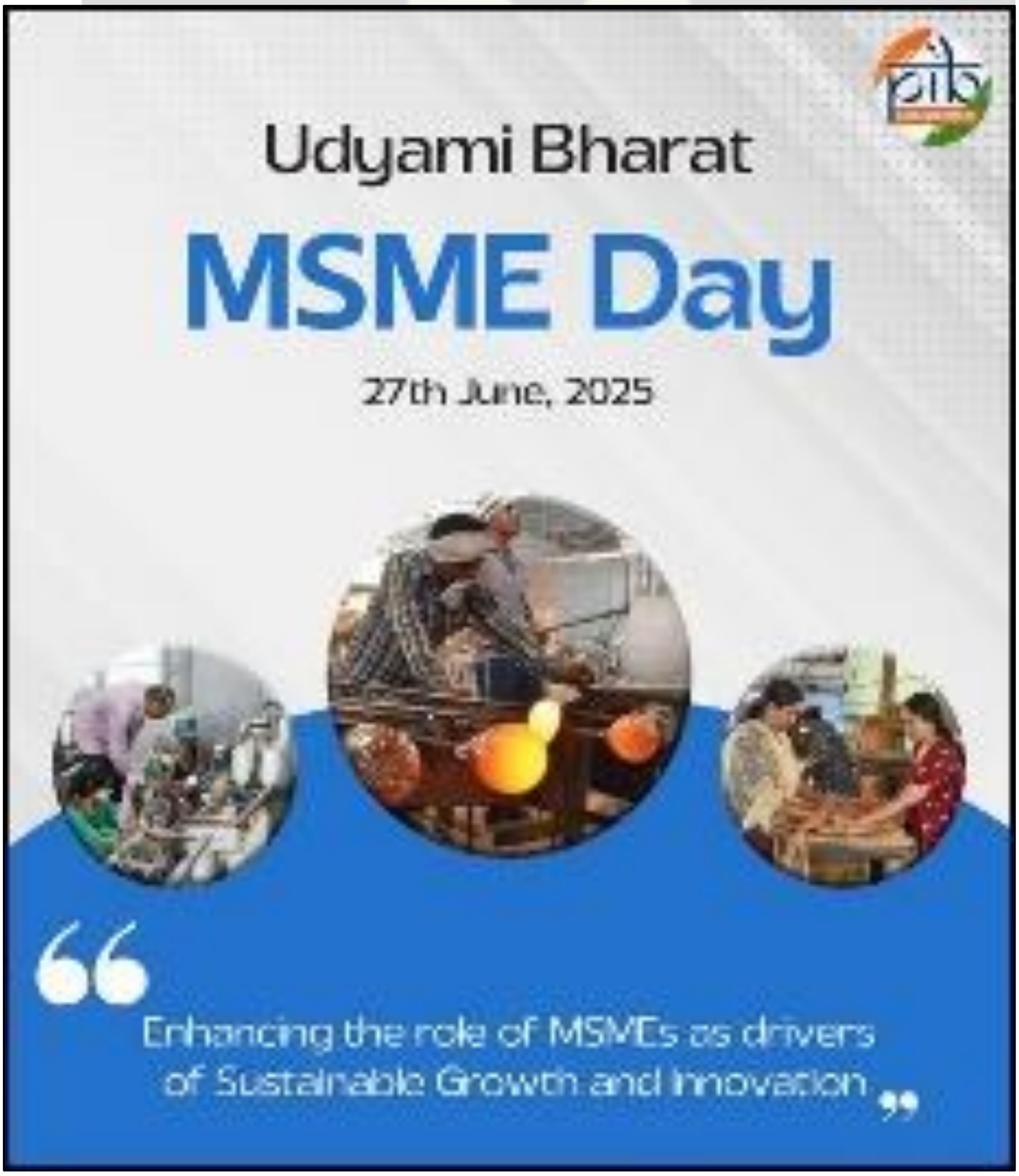



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य बिन्दु:

- इस कॉन्क्लेव में केंद्र और राज्य के उद्योग व MSMEs मंत्री, विषय विशेषज्ञ, उद्योग और व्यापार के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।
- नोट : केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs) मंत्रालय द्वारा MSMEs की परिभाषा में परिवर्तन किया गया, संशोधित वर्गीकरण 1 अप्रैल, 2025 से लागू हुआ।

| वर्गीकरण (Classification) | सूक्ष्म (Micro) | लघु (Small) | मध्यम (Medium) |
|---|---|---|---|
| विनिर्माण उद्यम और सेवाएँ प्रदान करने वाले उद्यम | संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश : ₹2.5 करोड़ से कम। वार्षिक कारोबार : ₹10 करोड़ से कम। | संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश : ₹25 करोड़ से कम। वार्षिक कारोबार : ₹100 करोड़ से कम। | संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश : ₹125 करोड़ से कम। वार्षिक कारोबार : ₹500 करोड़ से कम। |

## फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs) भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत और देश के निर्यात में 45 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं।
- दुनिया भर में MSMEs की महत्त्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2017 में 27 जून को अंतरराष्ट्रीय MSMEs दिवस के रूप में नामित किया।
- भारत में वर्ष 2025 के MSMEs दिवस की विषयवस्तु : "एन्हांसिंग द रोल ऑफ MSMEs ऐज़ ड्राइवर्स ऑफ सस्टेनेबल ग्रोथ एंड इनोवेशन।"


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान में भूजल की स्थिति

## चर्चा में क्यों?

- जल शक्ति मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार देश भर के कुल 193 अत्यधिक जल दोहन वाले जिलों में राजस्थान के 29 जिले शामिल है।

## मुख्य बिन्दु:

- इस रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश (38 जिले) के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है।
- रिपोर्ट के अनुसार राज्य के अलवर, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झालावाड़, झुंझुनू, जोधपुर, करौली, कोटा, नागौर, पाली और अजमेर में पानी की उपलब्धता कम और दोहन अत्यधिक हो रहा है।
- भारत के डायनामिक ग्राउंड वॉटर रिसोर्सेज के राष्ट्रीय संकलन रिपोर्ट के अनुसार, 102 जिलों को अत्यधिक दोहन वाले, 22 जिलों को क्रिटिकल और 69 जिलों को सेमी क्रिटिकल के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यहाँ सबसे ज्यादा दोहन खेती और औद्योगिक इकाइयों में हो रहा है।
- **राजस्थान के 302 ब्लॉक में से 70 प्रतिशत अतिदोहित :** केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा वर्ष 2024 में 302 ब्लॉक के मूल्यांकन से स्पष्ट होता है कि 214 ब्लॉक (70.86 प्रतिशत) अतिदोहित श्रेणी के अंतर्गत है। वहीं 27 ब्लॉक (8.94 प्रतिशत) गंभीर, 21 ब्लॉक (6.95 प्रतिशत) अर्ध गंभीर, जबकि 37 ब्लॉक (12.25 प्रतिशत) ही सुरक्षित श्रेणी में है। तीन ब्लॉक को लवणीय श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

### मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (MJSA)

- **शुरुआत : 27** जनवरी, 2016 को राजस्थान में 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान' की शुरुआत की गई।
- **उद्देश्य : ग्रामीण** क्षेत्रों में जल की न्यूनतम आवश्यकता की पूर्ति करना, अकाल के समय जल की उपलब्धता एवं जल की कमी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान करना। वर्ष 2016 को 'जलक्रांति वर्ष' के रूप में चिह्नित किया गया।

### मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 (MJSA 2.0)

- **शुरुआत :** राजस्थान में अधिकतम वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और उपलब्ध जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए फरवरी, 2024 में राज्य सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' की शुरुआत की गई।
- इस अभियान के अन्तर्गत नए एनीकट, खेत तालाब, मिनी परकोलेशन टैंक (MPT), सब सरफेस बैरियर (SSB) का निर्माण और पुराने जल संचयन संरचनाओं की मरम्मत आदि का कार्य किया जाता है।
- वर्ष 2024 से 2028 के दौरान MJSA 2.0 के तहत राज्य के 20,000 गाँवों में 5,00,000 जल संचयन और जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

### अटल भू-जल योजना

- अटल भू-जल योजना विश्व बैंक सहायता प्राप्त एक केंद्रीय क्षेत्रक कार्यक्रम है, जो अप्रैल, 2020 से मार्च, 2025 तक संचालित किया गया।
- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर भू-जल प्रबंधन को बढ़ावा देकर और समुदाय में जल उपयोग के प्रति संवेदनशीलता के लिए व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से भू-जल स्तर में गिरावट को रोकना है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इस कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान में 17 जिलों के 38 ब्लॉकों की 1,132 ग्राम पंचायतों को कवर किया गया है।

### भू-नीर पोर्टल

- जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (CGWA) द्वारा वर्ष 2024 में शुरू किया गया भू-नीर पोर्टल एक अत्याधुनिक पोर्टल है।
- इसका उद्देश्य देश में भूजल विकास और प्रबंधन के नियमन हेतु एक सुचारू और कुशल तंत्र प्रदान करना है। यह भूजल निष्कर्षण हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) आवेदन दाखिल करने हेतु एक त्वरित और यूजर फ्रेंडली मंच प्रदान करता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# विश्व का पहला पॉलिमर माइट्रल वॉल्व ट्रांसप्लांट

## चर्चा में क्यों?

- जयपुर स्थित सवाई मान सिंह अस्पताल (SMS) के कार्डियो थोरेसिक एंड वेस्कुलर सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने विश्व का पहला पॉलिमर माइट्रल वॉल्व का सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांटेशन किया।

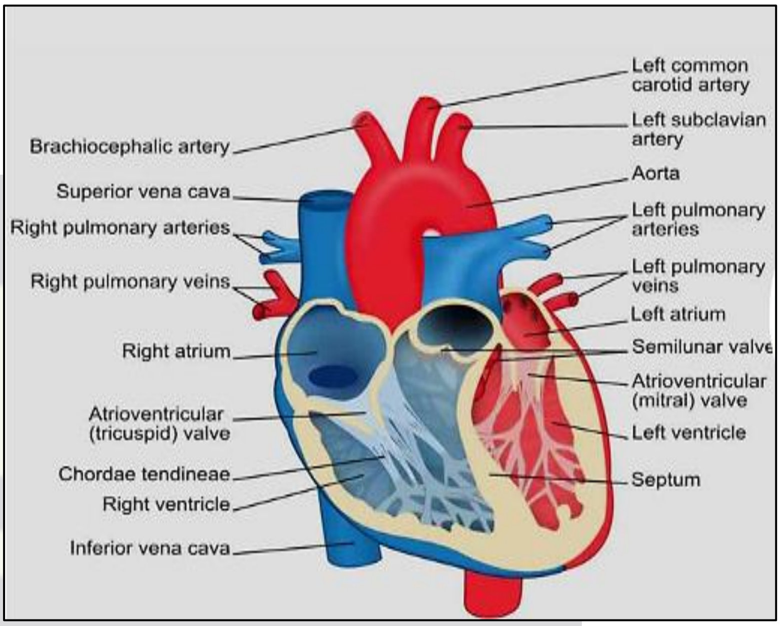


## मुख्य बिन्दु:

- पॉलिमर माइट्रल वॉल्व ट्रांसप्लांट के नए वॉल्व से मरीज में कैल्शियम एकत्रीकरण की समस्या नहीं आएंगी। साथ ही खून पतला करने की अतिरिक्त दवा का सेवन नहीं करना पड़ेगा।
- ज्ञातव्य है कि SMS जयपुर में पॉलिमर माइट्रल वॉल्व पर शोध कार्य चल रहा है, जिसके निष्कर्ष इंटरनेशनल जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलोजी में प्रकाशित हो चुके हैं।
- पॉलिमर माइट्रल वाल्व प्रत्यारोपण में पारंपरिक ऊतक या यांत्रिक वाल्व के बजाय सिंथेटिक पॉलिमर सामग्री का उपयोग किया जाता है, जिसका उद्देश्य अधिक टिकाऊपन प्रदान करना और आजीवन एंटीकोएगुलेशन थैरेपी की आवश्यकता से बचना है।

### अन्य महत्त्पूर्ण बिन्दु:

- **माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट :** यह ओपन-हार्ट सर्जरी है जिसमें रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए बीमार माइट्रल वाल्व को धातु या पशु ऊतक से बने वाल्व से रिप्लेस किया जाता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# कारखाना (राजस्थान संशोधन) विधेयक, 2025

## चर्चा में क्यों?

- 4 सितंबर, 2025 को राजस्थान विधानसभा में कारखाना (राजस्थान संशोधन) विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित हुआ।

UTKARSH उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

### मुख्य बिन्दु:

- इस विधेयक के माध्यम से कारखाना अधिनियम, 1948 में संशोधन किया जाएगा।
- विधेयक के प्रावधानों से महिलाओं की कार्यक्षेत्र में भागीदारी बढ़ेगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, वृहत स्तर पर रोजगार सृजित होंगे और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।
- कारखाना (राजस्थान संशोधन) विधेयक, 2025 के अनुसार कारखानों में सप्ताह में अधिकतम काम करने की अवधि को बढ़ाया गया है, जिससे उत्पादन और उत्पादकता बढ़ेगी, राज्य में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।विधेयक से बिना अंतराल के श्रम के प्रावधान को लचीला बनाया गया है ताकि श्रमिक इस बचे हुए समय को अपने घर-परिवार को दे सकेंगे।
- साथ ही, अब मजदूर बिना अंतराल के 6 घंटे तक कारखाने में काम कर सकेंगे, प्रतिदिन कारखानों में 10:30 घंटे तक उपस्थित रह सकेंगे और 75 घंटे के स्थान पर 144 घंटे प्रति तिमाही ओवरटाइम कर सकेंगे।
- विधेयक के प्रावधानों के अनुसार महिलाएँ स्वयं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए रात्रि में भी कार्य कर सकेंगी। इसके लिए उनकी लिखित सहमति आवश्यक की गई है। इससे महिला श्रम की भागीदारी बढ़ेगी और महिला सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त होगा।



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राज्य स्तरीय समन्वय समिति : जनगणना, 2027

## चर्चा में क्यों?

- राज्य में जनगणना-2027 के सुव्यवस्थित एवं निर्धारित समयावधि में सम्पादित करने के लिए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की स्वीकृति से राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति के अध्यक्ष के रूप में मुख्य सचिव सुधांश पंत को नियुक्त किया गया।

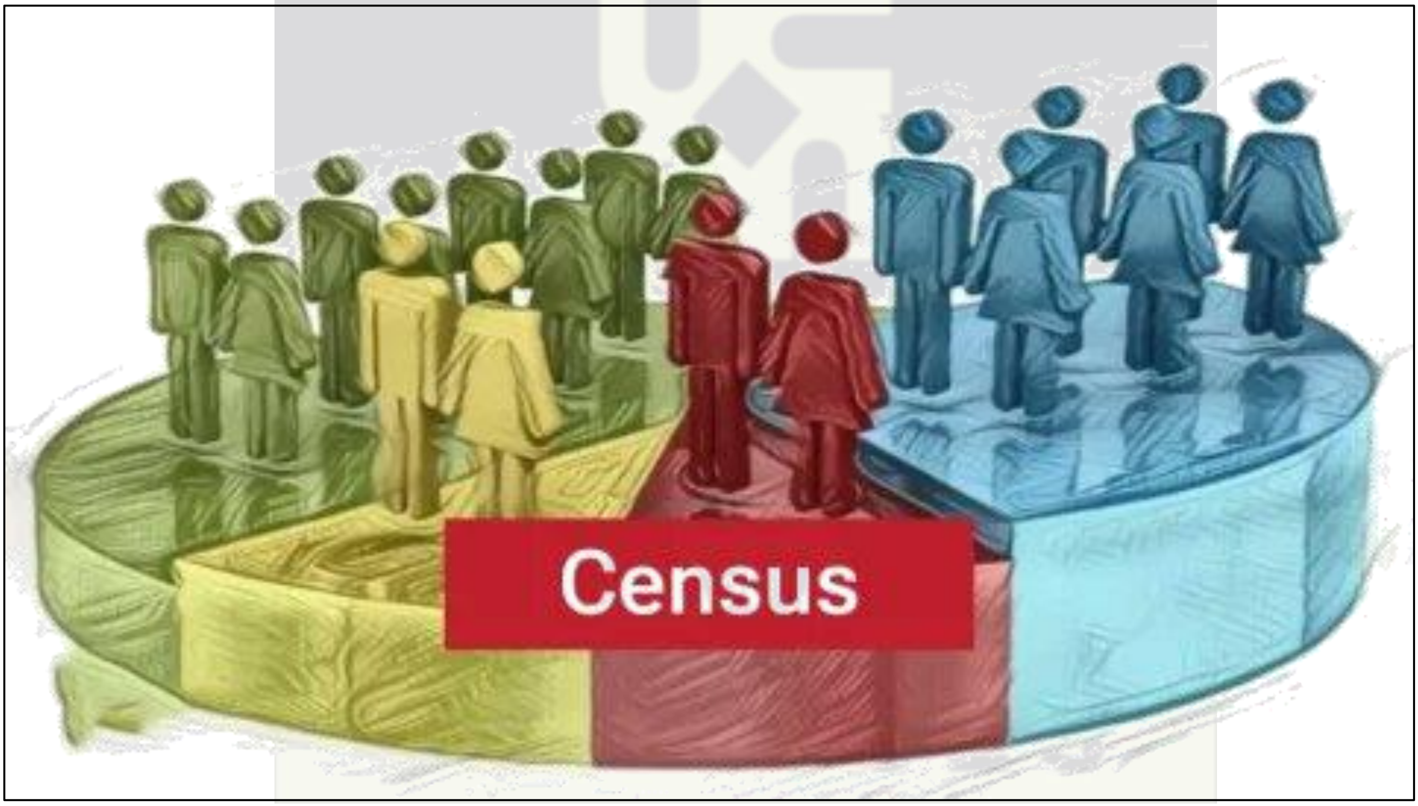


## मुख्य बिन्दु:

### राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति :

- **गठन :** अगस्त, 2025
- **उद्देश्य :** राजस्थान में जनगणना-2027 का सुव्यवस्थित एवं सफल क्रियान्वयन करना।
- **अध्यक्ष :** मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार।
- **समिति के संयोजक :** निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सदस्य :** ग्रामीण विकास, पंचायती राज, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण , वित्त, आयोजना, सांख्यिकी ,सूचना प्रोद्यौगिकी एवं संचार ,राजस्व, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अल्प संख्यक मामलात, नगरीय विकास, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, स्वायत्त शासन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, सामान्य प्रशासन और चिकित्सा शिक्षा विभागों के प्रभारी सचिव (अतिरिक्त मुख्य सचिव / प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव)।

**राजस्थान में जनगणना, 2027 :**

- **औपचारिक शुरुआत:** अक्टूबर-नवंबर, 2025
- **जनगणना का प्री-टेस्ट :** राजस्थान के 3 जिलों से चार क्षेत्र चिह्नित –

1. जयपुर की एक कच्ची बस्ती।
2. बाड़मेर शहर के 7 वार्ड।
3. बाड़मेर जिले के दूरदराज के 21 गाँव।
4. सांगवाड़ा (डूँगरपुर) आदिवासी क्षेत्र के 58 गाँव।

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :**

- **भारत की 16वीं जनगणना, 2027 :** भारत की पहली डिजिटल जनगणना ।
- **अधिसूचना :** 16 जून, 2025 को जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के तहत् अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित की गई।
- **प्रारंभ तिथि :** 1 मार्च, 2027
- **बर्फीले क्षेत्रों और राज्यों में प्रारंभ तिथि :** 1 अक्तूबर, 2026 (जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश)।
- **विनियमन ;** अधिनियम : जनगणना अधिनियम, 1948 एवं जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के तहत्।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रक्रिया : दो चरणों में आयोजन-**

**पहला चरण : हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस का है जिसमें आवासीय स्वरूप, दीवार, फर्श, छत, शौचालय एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी होगी।**

↓

**दूसरा चरण : जनसंख्या की गणना का है जिसमें व्यक्तिगत जानकारी, जैसे- आयु, शिक्षा, रोजगार एवं जाति शामिल है।**

**डिजिटल प्रक्रिया :**

- **लगभग 50% आबादी मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं डाटा दर्ज कर सकेगी।**
- **जन्म एवं मृत्यु के बाद डाटा स्वचालित रूप से अपडेट होगा।**

**डिजिटल जनगणना हेतु प्रमुख प्रयास :**

- **जनगणना 2021-परिवार ऐप (Census 2021-Household)**
- **पीई-जनगणना 2021 (जनसंख्या गणना) ऐप (PE-Census 2021)**
- **जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (Census Management and Monitoring System : CMMS)**


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## चर्चा में रहा : जमवारामगढ़ अभयारण्य

### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान के जमवारामगढ़ रेंज में स्थित आमखोल महादेव मंदिर के दुर्लभ वन्यजीव बारहसिंघा देखा गया।

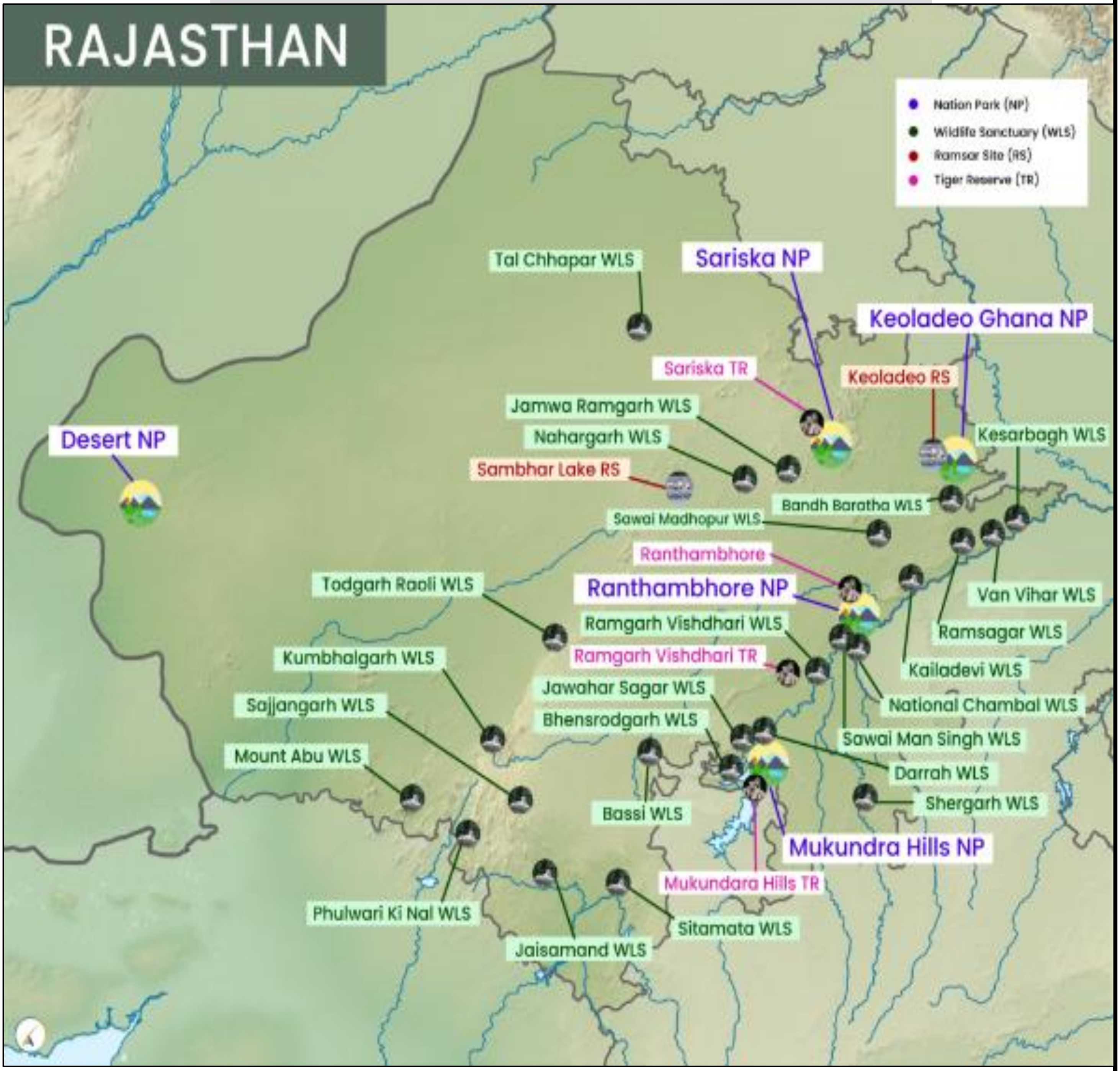





उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य बिन्दु:

### बारहसिंघा :

उपनाम : दलदली हिरण।

वैज्ञानिक नाम : रूसर्वस डुवाउसेली।

संरक्षण स्थिति : संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल।

राज्य पशु : उत्तरप्रदेश

### जमवारामगढ़ वन्यजीव अभयारण्य :

- **अवस्थित :** जमवारामगढ़, जयपुर।
- **विस्तार :** 360 किलोमीटर।
- **अभयारण्य घोषित :** वर्ष 1982
- **वन्यजीव :** बघेरा, जरक, जंगली सूअर, जंगली बिल्ली, भेड़िया, नीलगाय व सांभर।
- **Note -** थलाई गाँव (जमवारामगढ़): इंटेगरटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क स्थापित किया गया।

### अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

### जमवारामगढ बाँध :

- **नदी :** बाणगंगा।
- हाल ही में यह पर कृत्रिम बारिश का परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया।
- वर्ष 1982 में एशियन खेलों की नोकायान प्रतियोगिता का आयोजन लिया गया था।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **वंदे गंगा जल जन अभियान : 5 से 20 जून, 2025 को जमवारामगढ बाँध से शुरू किया गया था।**

**वर्ष 2025 में, राजस्थान में पाए गए प्रमुख वन्यजीव और वनस्पति :**

| वन्यजीव या वनस्पति | क्षेत्र/ जिला | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| यूट्रीकुलेरिया पौधा | केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान | एक दुर्लभ कीटभक्षी या मांसभक्षी पौधों (Carnivorous Plants) की एक प्रजाति।<br>अन्य नाम : ब्लैडरवॉर्ट्स (Bladderworts)। |
| अल्बिनो "सनफ्लावर" गिलहरी | CISF कैंपस, टोंक | इससे पूर्व भी बाँसवाड़ा और डूँगरपुर ज़िलों में देखी जा चुकी हैं।<br>एल्बिनो गिलहरियों की पहचान उनके शुद्ध सफेद फर और गुलाबी या लाल आँखों से होती है, जो मेलेनिन की पूर्ण कमी के कारण होती है। |
| दुर्लभ कैराकल बिल्ली | मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व | वैज्ञानिक नाम : कैराकल कैराकल।<br>सामान्य नाम : सिया गोश।<br>IUCN लाल सूची : कम चिंताजनक।<br>वन्यजीव संरक्षण : वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के अंतर्गत संरक्षण। |
| फेटोसौर के जीवाश्म | मेघा, फतेहगढ़, जैसलमेर | जुरासिक काल से पहले के जीवाश्म, छिपकली |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# आचार्य जवाहरलाल महाराज

## चर्चा में क्यों?

- स्वतंत्रता सेनानी और जैन आचार्य जवाहरलाल महाराज पर भारत सरकार के संचार मंत्रालय ने स्मारक डाक टिकट एवं वित्त मंत्रालय ने स्मारक चतुर्थांश सिक्का जारी करने की गजट अधिसूचना जारी की है।

## मुख्य बिन्दु:

- **संबंध :** बीकानेर जिला।
- **जारी :** सिक्का और डाक टिकट महाराज की 150वीं जयती वर्ष में जारी किया जाएगा।
- **विमोचन समारोह :** मुंबई में (अध्यक्षता : प्रधानमंत्री)।
- **स्मारक डाक टिकट :** केन्द्रीय संचार मंत्रालय।
- **स्मारक चतुर्थांश सिक्का :** केन्द्रीय वित्त मंत्रालय।
- बीकानेर में आचार्य के नाम पर जवाहर विद्या पीठ स्थापित है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

### राजस्थान के अन्य चर्चित व्यक्तित्व :

| | |
|---|---|
| आचार्य महाप्रज्ञ | हाल ही में, 100 रुपये का सिक्का जारी किया गया। |
| हरखचन्द नाहटो | बीकानेर, 25 वीं जयंती पर 25 रुपये का सिक्का जारी किया गया। |
| आचार्य विद्यासागर जी महाराज | जन्म : कर्नाटक।<br>राजस्थान : नसीराबाद, अजमेर।<br>सलेखका विधि से समाधि : चंद्रगिरि तीर्थ। |

UTKARSH CIVIL SERVICES


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# 16वीं एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप, 2025 में राजस्थान का प्रदर्शन

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, कजाकिस्तान के शिमकेंट में आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप, 2025 में राजस्थान ने कुल 25 पदक जीते।

## मुख्य बिन्दु:

| स्वर्ण पदक-13 | रजत पदक-8 | कांस्य पदक -4 |
|---|---|---|
| यशस्वी राठौड़ (स्कीट जूनियर मिक्स्ड टीम) | यशस्वी राठौड़ (स्कीट व्यक्तिगत जूनियर) | मानिनी कौशिक (50 मी. राइफल प्रोन व्यक्तिगत सीनियर) |
| उद्धव सिंह राठौड़ (ट्रैप जूनियर टीम) | राजवीर राठौड़ (स्कीट व्यक्तिगत यूथ) | हर्षवर्धन सिंह कविया (डबल ट्रैप सीनियर टीम) |
| अभिनव चौधरी (50 मी. फ्री पिस्टल जूनियर टीम, 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल जूनियर टीम, 25 मी. रैपिड फायर पिस्टल जूनियर टीम) | योगेश कुमार (50 मी. फ्री पिस्टल व्यक्तिगत सीनियर) | भानू प्रताप सिंह (डबल ट्रैप सीनियर टीम) |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

| | | |
|---|---|---|
| उमेश चौधरी (50 मी. फ्री पिस्टल जूनियर टीम) | अभिनव चौधरी (25 मी. स्पोर्ट्स पिस्टल व्यक्तिगत जूनियर) | यादवेन्द्र चुंडावत (डबल ट्रैप व्यक्तिगत जूनियर) |
| कुशाग्र सिंह राजावत (50 मी. राइफल प्रोन जूनियर टीम) | मानिनी कौशिक (50 मी. राइफल प्रोन सीनियर टीम) | |
| अनुष्का सिंह भाटी (शॉटगन डबल ट्रैप व्यक्तिगत और सीनियर टीम) | मो. हातिम खान (डबल ट्रैप व्यक्तिगत जूनियर) | |
| गिरीश गुप्ता (10 मी. एयर पिस्टल मिक्स्ड जूनियर टीम और व्यक्तिगत जूनियर) | गिरीश गुप्ता (10 मी. एयर पिस्टल जूनियर टीम) | |
| धीरेन्द्र सिंह भाटी (10 मी. एयर राइफल यूथ मैन) | पंकज जाट (10 मी. एयर पिस्टल जूनियर टीम) | |
| मोहिनी सिंह (10 मी. एयर पिस्टल जूनियर टीम) | | |

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :**

- **भारत का प्रदर्शन :** कुल पदक : 99 पदक।
- **रैंक :** भारत > कजाखिस्तान > चीन

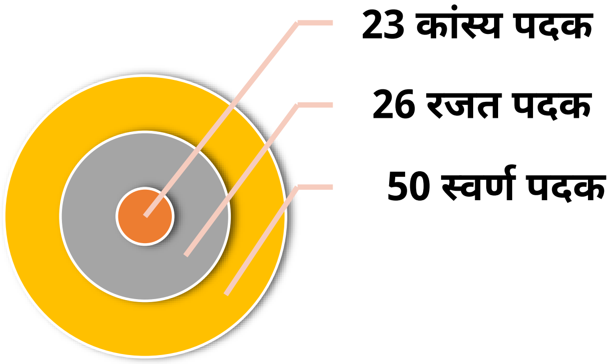



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# 8वीं हीरोज ताइक्वांडो चैम्पियनशिप, 2025 : योगेश कुमार साहू

## मुख्य बिन्दु:

- थाईलैंड में आयोजित 8वीं हीरोज ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में राजस्थान के योगेश कुमार साहू ने रजत पदक जीता।
- संबंध : जयपुर
- फाइनल : चीन के खिलाड़ी से हार गए।
- सेमीफाइनल : बांग्लादेश के खिलाड़ी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।
- वर्ग : अंडर-17 की 48 किलो वर्ग।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# न्यूज़ इन शॉर्ट्स

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|---|---|
| 1. | **'रीडिंग रेमेडिएशन' अभियान**<br>■ राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा 5 सितंबर, 2025 (शिक्षक दिवस) से 'रीडिंग रेमेडिएशन' अभियान की शुरुआत की गई।<br>■ इस अभियान का उद्देश्य कक्षा 3 से 8वीं तक के पढ़ने में कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त अभ्यास और व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान कर उनकी पठन क्षमता में सुधार करना है।<br>■ इस अभियान का संचालन मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत किया जाएगा। प्रदेश के लगभग 70 हजार स्कूलों में यह अभियान लागू किया जाएगा। |
| 2. | **माचिया किला, जोधपुर**<br>■ हाल ही में, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने जोधपुर स्थित माचिया किले का दौरा किया और इस किले को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा की।<br>■ जोधपुर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित माचिया किला रियासत कालीन है। यह मूल रूप से एक शाही किला था, जिसे अंग्रेजों ने एक कारागार में बदल दिया था। वर्ष 1942 से 1943 के दौरान, देश के विभिन्न भागों से कई स्वतंत्रता सेनानियों को यहाँ लाया गया और उन पर अत्याचार किए गए। |
| 3. | **77वाँ राज्य स्तरीय सूर्यमंडल फुटबॉल कप - 2025** |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

| | |
|---|---|
| | ■ झुंझुनू के नवलगढ़ में आयोजित 77वें राज्य स्तरीय सूर्यमंडल फुटबॉल कप - 2025 का खिताब हनुमानगढ़ की टीम ने जीता।<br>■ फाइनल में हनुमानगढ़ ने पेनल्टी शूटआउट में राजस्थान पुलिस बीकानेर की टीम को हराया। इस टूर्नामेंट में 15 टीमों ने भाग लिया। |
| **4.** | **लघु उद्योग भारती एवं राजस्थान यूनिवर्सिटी के मध्य समझौता**<br>■ शिक्षा, इन्क्यूबेशन और कौशल विकास के क्षेत्रों में आपसी सहयोग और समन्वय को बढ़ाने के उद्देश्य से हाल ही में लघु उद्योग भारती एवं राजस्थान यूनिवर्सिटी के मध्य एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गये। |
| **5.** | **राजस्थान में कवच 4.0**<br>■ हाल ही में, दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनों के संचालन के लिए राजस्थान के हिस्से के ट्रैक को सेमी हाई स्पीड ट्रैक में तब्दील करने का कार्य सम्पन्न हुआ।<br>■ राजस्थान में यह ट्रैक भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, बूंदी, कोटा और झालावाड़ से गुजरता है।<br>■ 30 जुलाई, 2025 को कोटा और मथुरा के मध्य 324 किलोमीटर के रेलखंड में कवच संस्करण 4.0 कमीशन कर दिया गया। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

## जर्मनी: चर्चा में रहा देश

### चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने नई दिल्ली में जर्मनी के विदेश मंत्री से मुलाकात की।

### मुख्य बिन्दु:

**भौगोलिक अवस्थिति**

- **राजधानी:** बर्लिन
- **सीमावर्ती देश:** इसके उत्तर में डेनमार्क; पूर्व में पोलैंड और चेक गणराज्य; दक्षिण में ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड; और पश्चिम में फ्रांस, लग्जमबर्ग, बेल्जियम और नीदरलैंड हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सीमावर्ती जल निकाय:** इसके उत्तर-पूर्व में बाल्टिक सागर और उत्तर-पश्चिम में उत्तरी सागर (नॉर्थ-सी) है। ये दोनों कील नहर से जुड़े हुए हैं।

**भौगोलिक विशेषताएं:**

- **नदियाँ:** राइन (सबसे लंबी नदी), एल्बे, डेन्यूब।
- **जलवायु:** शीतोष्ण, हल्की सर्दियाँ और गर्म ग्रीष्मकाल; वर्ष भर वर्षा होती है।
- **पर्वत श्रृंखलाएँ:** आल्प्स और बवेरियन हाइलैंड्स।
- **लेक कॉन्स्टेंस:** ताजा जल की सबसे बड़ी झील।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# विज्ञान प्रौद्योगिकी

## "इन्ट्रोडक्शन टू 2डी मैटेरियल्स" पर चौथा संस्करण

### चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब ने भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु के सहयोग से अपनी प्रमुख फ्यूचर फ्रंट क्वार्टरली इनसाइट्स सीरीज का चौथा संस्करण "इन्ट्रोडक्शन टू 2डी मैटेरियल्स" शीर्षक से जारी किया। यह रिपोर्ट सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजीज और अन्य उद्योगों में नई क्रांति लाने वाले 2डी मैटेरियल्स के महत्त्व को उजागर करती है।

### मुख्य बिन्दु:

**2डी मैटेरियल्स की परिभाषा और महत्व:**

- 2डी मैटेरियल्स मानव बाल की चौड़ाई के लगभग 1/80,000 गुना पतले होते हैं।
- ये सामग्री स्टील से 200 गुना ज़्यादा मज़बूत होती हैं और ताँबे की तुलना में अधिक कुशलतापूर्वक बिजली का संचालन करती हैं।
- इनका उपयोग सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और क्वांटम कंप्यूटिंग में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

**भारत में 2डी मैटेरियल्स पर ध्यान क्यों देना चाहिए:**

- 2डी मैटेरियल्स के क्षेत्र में भारत के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करने का अवसर है।
- यह क्षेत्र भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

**भारत के लिए शुरुआती निवेश के लाभ:**

- उत्पाद निर्यात, ऊर्जा बचत, बौद्धिक संपदा स्वामित्व और रणनीतिक स्वतंत्रता जैसे लाभ।
- सिलिकॉन के परिमाण की सीमाएँ देखते हुए, 2डी मैटेरियल्स में निवेश भारत को आर्थिक और रणनीतिक रूप से सशक्त बनाएगा।


UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# उन्नत डोपिंग रोधी परीक्षण

## चर्चा में क्यों?

- भारत ने गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) और नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) के बीच सहयोग से उन्नत एंटी-डोपिंग परीक्षण के लिए एक दुर्लभ और उच्च शुद्धता वाली संदर्भ सामग्री (आरएम) विकसित की है।

## मुख्य बिन्दु:

- **विकसित पदार्थ:** मेथान्डिएनोन दीर्घकालिक मेटाबोलाइट (एलटीएम)।
- **उद्देश्य:** मेथान्डिएनोन लॉन्ग-टर्म मेटाबोलाइट (LTM) नामक संदर्भ सामग्री, प्रदर्शन-वर्धक स्टेरॉयड मेथान्डिएनोन का उपयोग करने वाले एथलीटों के लिए पहचान की संभावना को काफ़ी बढ़ा देगी। भले ही एथलीट ने इसे लेना बंद कर दिया हो,
- यह विकास वैश्विक डोपिंग-रोधी प्रयासों में भारत के योगदान को बढ़ावा देता है।

**खिलाड़ियों की सुरक्षा:**

- इस संदर्भ सामग्री का उद्देश्य खिलाड़ियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है और निषिद्ध पदार्थों के उपयोग को हतोत्साहित करना है।


UTKARSH उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

## नीति आयोग की रिपोर्ट: दलहनों का विकास

### चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने "आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर दलहन विकास में तेज़ी लाने के लिए रणनीतियाँ और मार्ग" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट 2047 तक दलहन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है और घरेलू उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान लगाती है।

### मुख्य बिन्दु:

#### भारत का दलहन क्षेत्र:

- भारत, दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादक और उपभोक्ता देश है।
- दलहन क्षेत्र लगभग 80% उत्पादन वर्षा आधारित क्षेत्रों पर निर्भर है और 5 करोड़ से अधिक किसानों की आजीविका का समर्थन करता है।
- 2022-23 तक, उत्पादन में 59.4% बढ़ोतरी हुई, जिससे आयात पर निर्भरता 29% से घटकर 10.4% रह गई।

#### आत्मनिर्भरता मिशन:

- 2025-26 के केंद्रीय बजट में "दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन" की घोषणा की गई, जो अरहर, काला चना और मसूर पर केंद्रित एक छह-वर्षीय पहल है।
- इस मिशन का उद्देश्य दलहन उत्पादन को बढ़ाना और भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

#### भारत की कृषि-जलवायु परिस्थितियाँ:

- भारत में 12 दलहनी फसलों के लिए विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।
- **प्रमुख राज्य:** मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, और राजस्थान, जो 55% उत्पादन का योगदान करते हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

### दलहन उत्पादन की वृद्धि का अनुमान:

- 2030 तक घरेलू आपूर्ति 30.59 मीट्रिक टन तक पहुँचने का अनुमान है।
- 2047 तक घरेलू आपूर्ति 45.79 मीट्रिक टन तक पहुँचने की संभावना है।

### रणनीतियाँ और रणनीतिक हस्तक्षेप:

- **क्षैतिज विस्तार:** उच्च उपज वाली दलहन फसलों और कुशल अंतर-फसलों के लिए अप्रयुक्त भूमि संसाधनों का उपयोग।
- **ऊर्ध्वाधर विस्तार:** उन्नत कृषि पद्धतियों, बीज उपचार, और पोषक तत्त्व, कीट, खरपतवार, जल प्रबंधन के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से उपज बढ़ाना।

### ज़िलावार दृष्टिकोण:

- उच्च-संभावित समूहों को लक्षित करने के लिए "ज़िलावार चतुर्थांश दृष्टिकोण" लागू करने की सिफारिश। रिपोर्ट विशेष रूप से 111 उच्च-संभावित ज़िलों पर केंद्रित है जो राष्ट्रीय दलहन उत्पादन में 75% का योगदान करते हैं।

### सिफारिशें:

- **लक्षित फसल-वार क्लस्टरिंग:** क्षेत्र प्रतिधारण और विविधीकरण।
- **उन्नत बीज वितरण और उपचार किटें:** विशेष रूप से राष्ट्रीय उत्पादन में योगदान देने वाले जिलों पर ध्यान केंद्रित।
- **ग्राम स्तरीय केन्द्र:** स्थानीय स्तर पर बीज प्रणाली को मजबूत करने के लिए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) द्वारा सुविधायुक्त "एक ब्लॉक-एक बीज गाँव" क्लस्टर आधारित केन्द्र बनाएं।
- **जलवायु अनुकूलन उपायों:** सक्रिय जलवायु अनुकूलन उपायों पर जोर और डेटा-आधारित निर्णय-समर्थन प्रणालियों का विकास।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# महत्त्वपूर्ण दिवस

## राष्ट्रीय शिक्षक दिवस, 2025

### मुख्य बिन्दु:

**भारत में शिक्षक दिवस (5 सितंबर, 2025):**

- **2025 की थीम :** "शिक्षार्थियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करना"।
- **महत्व :** यह दिन छात्रों के जीवन को आकार देने और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है।
- **शुक्रवार, 5 सितंबर:** यह तिथि भारत के दूसरे राष्ट्रपति और प्रतिष्ठित शिक्षक, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती का सम्मान करती है।
- डॉ. राधाकृष्णन को अनेक सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें 1954 में भारत रत्न भी शामिल हैं।

**विश्व शिक्षक दिवस (5 अक्टूबर, 2025)**

- **उत्पत्ति :** विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह यूनेस्को, यूनिसेफ, आईएलओ और एजुकेशन इंटरनेशनल की एक पहल है।
- **वैश्विक स्तर:** हालाँकि आधिकारिक तौर पर शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को मनाया जाता है, लेकिन कई देशों में अलग-अलग तारीखों पर राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका मई में इसे मनाता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR